Raj Express (Indore), 05th November 2024, Page-04

8 प्रौद्योगिकियों को आईआईटीआई-एसीई फाउंडेशन में किया जा रहा है विकसित

आईआईटी इंदौर : प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण का विस्तार

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर 9 बीटेक कार्यक्रम, 15 एमटेक कार्यक्रम पेश कर रहा है, जिसमें एम्स भोपाल के सहयोग से बायोमेडिकल इंजीनियरिंग और आरआरसीएटी के सहयोग से एप्लाइड ऑप्टिक्स और लेजर टेक्नोलॉजी शामिल है। हाइब्रिड वाहन प्रौद्योगिकी पर वोल्वो-आयशर के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया एक कार्यकारी एम.टेक कार्यक्रम भी है, जिसमें वर्तमान में 10 अधिकारी इस कार्यक्रम से गुजर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार जल्द ही आईआईटी इंदौर नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल के साथ संयुक्त रूप से साइबर सुरक्षा और साइबर कानून पर मास्टर्स कोर्स और मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, महू के सहयोग से पीजी कार्यक्रम शुरु करने की तैयारी में है। अनुसंधान के मोर्चे पर, अनुवाद अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को औपचारिक बनाने और अनुसंधान से उत्पाद चरण तक प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण का विस्तार करने के लिए हाल ही में अनुवाद अनुसंधान केंद्र (सीटीआर) की स्थापना की गई। इसमें 3 प्रौद्योगिकियों को उद्योगों को लाइसेंस दिया गया है और 8 प्रौद्योगिकियों को आईआईटीआई-एसीई फाउंडेशन में विकसित किया जा रहा है। उज्जैन में एक डीप-टेक रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर (डीआरडीसी) भी विकसित करने की योजना है, जिसमें डीप-टेक रिसर्च लेबोरेटरीज, डिस्कवरी सेंटर, लैब-टू-मार्केट सेंटर और नई और उभरती तकनीक के लिए एक सेंटर शामिल होगा।

बड़ी योजनाएं बनाई जा रहीं

इंफ्रास्ट्रक्चर के मोर्चे पर हम भविष्य में इस संस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए बड़ी योजनाएं बनाई जा रही है। चरण 1 और 2 के पूरा होने के बाद निर्माण का तीसरा चरण शुरू किया गया है। यह चरण विस्तृत है और इसमें भारी और परिष्कृत लैब कॉम्प्लेक्स, अकादमिक पॉड, हॉस्टल, संकाय और विवाहित छात्रों के आवास शामिल होंगे। वहीं एक फुटबॉल मैदान, 400 मीटर सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक, एक हॉकी मैदान, लॉन टेनिस कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट और बैठने की गैलरी सहित ओलंपिक मानक आउटडोर खेल सुविधाओं का निर्माण निर्माण के अंतिम चरण में है।